Foreign Exchange Remittances from Indian Residents Abroad

785. SHRI C. VENUGOPAL : Will the DEPUTY PRIME MINISTER AND MINISTER OF FINANCE be pleased to state :

(a) whether foreign exchange remittances from Indian residents abroad are likely to taper off in a few years;

(b) if so, the magnitude of the problem likely to be created in regard to our balance of payment ; and

(c) the forestalling measures proposed to counteract this deficit?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SATISH AGARWAL) : (a) It is likely that rates of growth of inward remittances observed in the recent past may not be sustained in the future.

(b) It is difficult to estimate the effect of slow down in the rates of growth of inward remittances in future on the balance of payments position as the latter would depend on a number of other factors like levels of imports and exports, disbursement of external aid etc.

(c) The overall balance of payments position of the country is reviewed carefully from time to time and efforts made to increase exports and encourage remittances and other foreign exchange earnings.

हवाई अड्डों पर लाल और हरी बत्ती मार्ग प्रणाली

786. श्री अम्बिका प्रसाद पाण्डेय : क्या उप प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हरी और लाल बत्ती मार्ग प्रणाली हवाई अड्डों पर काफी सफल रही है;

(ख) उन अतिरिक्त व्यक्तियों की तुलनात्मक संख्या कितनी है जिन्होंने स्वयं अपनी वस्तुओं को घोषित कर दिया है और इस प्रणाली के अधीन अधिक शुल्क का भुगतान कर दिया है ;

(ग) क्या इस प्रणाली की सफलता से प्रोत्साहित हो कर सरकार इसमें और छूट देने के पक्ष में है; और

(घ) विदेशों से लौटने वाले भारतीयों की इस प्रणाली पर क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतीश अग्रवाल) : (क) अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों की सीमा शुल्क सम्बन्धी निकासी के लिए दोहरी चैनल प्रणाली, जो 1 जनवरी, 1979 से आरम्भ की गई थी, के परिणामत: अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों की अपेक्षाकृत अधिक शीघ्र निकासी हुई है।

(ख) ऐसे यात्रियों की संख्या का, जो अपने शुल्क लगने योग्य माल को घोषित करते हैं, हिसाब-किताब नहीं रखा जाता और इसलिए अपेक्षित तुलना करना संभव नहीं है। फिर भी, यात्रियों के सामान पर वसूल किए गए शुल्क के सम्बन्ध में आंकड़ों की तुलना से पता चलता है कि बम्बई, दिल्ली, कलकत्ता, मद्रास और त्रिवेन्द्रम के अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों पर यात्रियों से वर्ष 1979 के पहले पांच महीने में शुल्क की मासिक वसूली औसतन लगभग 4.52 करोड़ रुपये है जब कि वर्ष 1978 में मासिक वसूली औसतन 3.53 करोड़ रुपये थी।

(ग) निकासी में इष्टतम छूट और तीव्र गति को पहले ही सुनिश्चित कर लिया गया है और यह कार्यविधि काफी संतोषजनक ढंग से काम कर रही है।

(घ) अन्तर्राष्ट्रीय यात्रियों की निकासी में हुए सुधारों की काफी सराहना हुई है।

भेड़ाघाट का सौन्दर्यकरण

787. श्री शरद यादव : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भेड़ाघाट प्रमुख पर्यटन स्थानों में से एक स्थान है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार इसके विकास तथा सुन्दर बनाने के लिए किसी प्रस्ताव पर विचार कर रही है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जी, हां।

(ख) से (घ). फिलहाल भेड़ाघाट का विकास राज्य सेक्टर के अन्तर्गत प्रारम्भ किया जा रहा है। भेड़ाघाट के विकास के लिए, राज्य सरकार ने पर्यटन सम्बन्धी अपनी पंचवर्षीय योजना 1978–79 में 9.00 लाख रुपये के परिव्यय का प्रस्ताव रखा है। भेड़ाघाट के विकास के लिए, राज्य सरकार की वार्षिक योजना 1979–80 में 2.80 लाख रुपये की धन-राशि की व्यवस्था की गई है।

राज्य सरकारों द्वारा अधिविकर्ष (ओवर ड्राफ्ट) लिया जाना

788. श्री ओंकार लाल सिंह : क्या उप प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राज्य सरकारों द्वारा 31 मार्च, 1979 तक लिए गए अधिविकर्षों (ओवर ड्राफ्टों) के